उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा वन महोत्सव का आयोजन (02 जुलाई 2017)

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर एवं आई. टी. बी. पी. 29 वीं वाहिनी के द्वारा दिनांक 02 जुलाई 2017 को प्रातः 9:00 बजे वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में एवं आई. टी. बी. पी. 29 वीं वाहिनी के कार्यालयीन परिसर में किया गया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. यू. प्रकाशम, भा.व.से. एवं श्री राजपूत जी, डिप्टी कमाण्डेट, आई. टी. बी. पी. 29 वीं वाहिनी तथा संस्थान के समस्त वैज्ञानिक/अधिकारियों/कर्मचारियों एवं आई. टी. बी. पी. के सभी अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया गया। जिसमें मौलश्री, अशोक, पीपल, नीम, पारस पीपल, सीताफल तथा बाँस के पौधों का रोपण किया गया ।

वन महोत्सव कार्यक्रम के समापन पर निदेशक, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा बताया गया कि, वन महोत्सव का प्रारंभ वर्ष 1950 में स्वर्गीय श्री के.एम. मुन्शी तत्कालीन कृषि मंत्री, भारत सरकार के द्वारा पहल प्रारंभ हुई। प्रथम वन महोत्सव दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एवं भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू जी भाग लेकर पौधा रोपण किया था । तब से लगातार प्रतिवर्ष वन महोत्सव को त्यौहार के रूप में संपूर्ण देश में मनाया जाता है। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, लगातार वन क्षेत्रों में हो रही कमी के फलस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग के नियंत्रण में वन क्षेत्रों में वृद्धि किया जाना अति आवश्यक है। वन महोत्सव के दौरान वृक्षारोपण होने से इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान होगा। वृक्षारोपण के पश्चात रोपित पौधों की सुरक्षा भी अति महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे रोपित पौधे वृक्ष बन सकेगें और अपेक्षित लाभ प्राप्त हो सकेगा। आम जन में भी वृक्षारोपण के महत्व का प्रचार प्रसार एवं जन चेतना जागृत करना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है ।

वन महोत्सव की झलकियाँ

July 2, 2017

July 2, 2017